''बिजनेस पोस्ट के अन्तर्गत डाक शुल्क के नगद भुगतान (विना डाक टिकट) के प्रेषण हेतु अनुमत. क्रमांक जी. 2-22-छत्तीसगढ़ गजट/38 सि. से. भिलाई, दिनांक 30-5-2001.''



पंजीयन क्रमांक ''छत्तीसगढ़/दुर्ग/ सी. ओ./रायपुर 17/2002.''

छत्तीसगढ़ राजपत्र

प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 35]

ू रायपुर, शुक्र्वार, दिनांक 27 अगस्त 2004—भाद्र 5, शक 1926

विषय—सूची

भाग 1.—(1) राज्य शासन के आदेश, (2) विभाग प्रमुखों के आदेश, (3) उच्च न्यायालय के आदेश और अधिसूचनाएं, (4) राज्य शासन के संकल्प, (5) भारत शासन के आदेश और अधिसूचनाएं, (6) निर्वाचन आयोग, भारत की अधिसूचनाएं, (7) लोक-भाषा परिशिष्ट.

भाग 2.—स्थानीय निकाय की अधिसूचनाएं.

· भाग 3.—(1) विज्ञापन और विविध सूचनाएं, (2) सांख्यिकीय सृचनाएं.

भाग 4.—(क) (1) छत्तीसगढ़ विधेयक, (2) प्रवर समिति के प्रतिवेदन, (3) संसद में पुर:स्थापित विधेयक, (ख) (1) अध्यादेश, (2) छत्तीसगढ़ अधिनियम, (3) संसद के अधिनियम, (ग) (1) प्रारूप नियम, (2) अंतिम नियम.

भाग १

राज्य शासन के आदेश

सामान्य प्रशासन विभाग — मंत्रालय, दाऊ कल्याण सिंह भवन, रायपुर

रायपुर, दिनांक ९ अगस्त 2004

क्रमांक 1977/1248/2004/1/2/लीब.—श्री आर. पी. जैन, भा.प्र.से. (1990) को दिनांक 31-8-2004 से 10-9-2004 तक (11 दिवस) का अर्जित अवकाश स्वीकृत किया जाता है साथ ही दिनांक 29, 30-8-2004 एवं 11. 12-9-2004 के सार्वजनिक अवकाश को जोड़ेने की अनुमित दी जाती है.

2. श्री जैन के अवकाश अवधि में श्री डी. आर. मंडावी, अपर कलेक्टर, धमतरी अपने वर्तमान कर्तव्यों के साथ-साथ कलेक्टर, धमतरी का चालू कार्य सम्पादित करेंगे.

- अवकाश से लौटने पर श्री जैन, भा. प्र. से. आगामी आदेश तक कलेक्टर, धमतरी के पद पर पुन: पदस्थ होंगे.
- 4. अवकाश काल में श्री जैन, भा. प्र. से. को अवकाश वेतन एवं अन्य भत्ते उसी प्रकार देय होंगे जो उन्हें अवकाश पर जान के पूर्व मिलते थे.
- प्रमाणित किया जाता है कि यदि श्री जैन, भा. प्र. से. अवकाश पर नहीं जाते तो अपने पद पर कार्य करते रहते.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदंशानुसार, के. के. बाजपेयी, अवर सचिव.

ग्रामोद्योग विभाग मंत्रालय, दाऊ कल्याण-सिंह भवन, रायपुर रायपुर, दिनांक ९ अगस्त २००४ संशोधन आदेश

क्रमांक एफ-1-28/02/(6)52.—राज्य शासन एतद्द्वारा ग्रामोद्योग संचालनालय का सेटअप के संबंध में जारी स्वीकृति आदेश समसंख्यक ज्ञाप दिनांक 23-11-2002 में निम्नानुसार संशोधन करता है :—

''स्वीकृत सेटअप के सरल क्रमांक-15 जिसका संबंध सहायक सांख्यिकी अधिकारी के स्वीकृत दो पद प्रतिनियुक्ति/सीधी भर्ती ये भर जाने का उक्षेख हैं, उसके स्थान पर पदों की पूर्ति पदोन्नति द्वारा पढ़ा जाये.''

> छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम सं तथा आदेशानुसार, • ईशिता राय, संयुक्त सचिव.

श्रम विभाग मंत्रालय, दाऊ कल्याण सिंह भवन, रायपुर रायपुर, दिनांक 20 जुलाई 2004

क्रमांक एफ-11-4/16/2004. — चूंकि छत्तीसगढ़ राज्य में स्लेट पेंसिल निर्माण का कोई कारखाना नहीं है अत: इस कारण संपूर्ण राज्य में स्लेट पेंसिल निर्माण शाला में कोई नियोजन नहीं है. म. प्र. शासन श्रम विभाग की अधिसूचना क्रमांक एफ-4 (सी)-3-97 सालह-ए. भोपाल दिनांक 5 फरवरी 1997 द्वारा अनुसूची के क्रमांक 27 में सम्मिलित "किसी स्लेट पेंसिल निर्माण शाला में नियोजन" के लिये न्यूनतम वेतन दरीं का निर्धारण किया गया था. छत्तीसगढ़ न्यूनतम वेतन सलाहकार पर्यंद की बैठक दिनांक 14-6-2002 द्वारा "किसी स्लेट पेंसिल निर्माण शाला में नियोजन" को विलोपित करने की अनुशंसा की गई है.

और चूंकि राज्य शासन की यह राय है कि ''किसी स्लेट पेंसिल निर्माण शाला में नियोजन'' को विलोपित करना उचित हैं. अतएव न्यूनतम वेतन अधिनियम-1948 (क्रमांक 11 सन् 1948) जैसा कि वह छत्तीसगढ़ राज्य को लागू है कि धारा-27 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए अधिसूचित नियोजनों की अनुसूची क्रमांक-27 ''किसी स्लेट पेंसिल निर्माण शाला में नियोजन'' को विलोपित किया जाता है.

> छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार, पारसनाथ राम, अवर सचिव

विधि और विधायी कार्य विभाग मंत्रालय, दाऊ कल्याण सिंह भवन, रायपुर रायपुर, दिनांक 24 जुलाई 2004

फा. क्र. 4470/डो-1236/21-ब/फास्ट ट्रेक कोर्ट /छ.ग./04.—दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा 24 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त

शक्तियों को प्रयोग में लाते हुये राज्य शासन, एतद्द्वारा श्री विमलेश सिन्हा, अधिवक्ता. रामानुजगंज, जिला सरगुजा को फास्ट ट्रेक कोर्ट. रामानुजगंज में शासन की ओर से पैरवी करने के लिये उनके द्वारा कार्यभार ग्रहण करने के दिनांक से दिनांक 31-7 2005 तक के लिये या फास्ट ट्रेक कोर्ट समाप्ति तक, जो अवधि पहले आये, शासन द्वारा देय पारिश्रमिक पर अतिरिक्त लोक ऑभयोजक नियुक्त करता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार. महेन्द्र राठौर, उप सचिव.

आवास एवं पर्यावरण विभाग मंत्रालय, दाऊ कल्याण सिंह भवन, रायपुर

रायपुर, दिनांक 23 जुलाई 2004

क्रमांक 859/567/32/04.—छत्तीसगढ़ नगर तथा ग्राम निवंश अधिनियम 1973 (क्र. 23 सन् 1973) की धारा 13 की उपधारा (1) के अंतर्गत राज्य शासन एतद्द्वारा कोटा नगर पंचायत के निवंश क्षेत्र का गठन करता है. जिसकी सीमाएं नीचं दर्शायी गर्ड अनुसूची में परिनिश्चित की गई है.

्अनुसूची कोटा निवेश क्षेत्र की सीमाएं

उत्तर - ग्राम लालपुर, कोटा एवं अमाली ग्रामों की उत्तरी सीमा तक.

पूर्व - ग्राम अमाली, अमरमरा, जोगीपुर एवं छेरकाबाँधा ग्रामों की पूर्वी सीमा तक.

दक्षिण - ग्राम छेरकाबांधा, खुरदुर, कलारतराई, पीपरतराई एवं अमने ग्रामों की दक्षिणी सीमा तक.

पश्चिम - ग्राम अमने, चंगोरी, गोबरीपाट, कुंवारीगुड़ा एवं लालपुर ग्रामों की पश्चिमी सीमा तक.

रायपुर, दिनांक 23 जुलाई 2004

क्रमांक 860/569/32/04.—छत्तीसगढ़ नगर तथा ग्राम निवेश अधिनियम 1973 (क्र. 23 सन् 1973) की धारा 13 की उपधारा (1) के अंतर्गत राज्य शासन एतद्द्वारा अकलतरा नगरपालिका के निवेश क्षेत्र का गठन करता है. जिसकी सीमाएं नीचे दर्शायी गई अनुसूची में परिनिश्चित की गई है.

· अनुसूची अकलतरा निवेश क्षेत्र की सीमाएं

उत्तर में - ग्राम परसाही, खटोला. बरगंवा एवं खोड़ ग्रामों की उत्तरी सीमा तक.

पूर्व में - ग्राम खोड़, खिसोरा, लिलवाडीह, अमरताल एवं किरारी ग्रामों की पूर्वी सीमा तक.

दक्षिण में - ग्राम किरारी, तराँद, रोगदा एवं मुरलीडीह ग्रामों की दक्षिणी सीमा तक.

पश्चिम में - ग्राम मुरलीडीह, पकरिया, लिटया एवं परसाही ग्रामों की पश्चिमी सीमा तक.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार. बी. के. सिन्हा, विशेष सचिव.

राजस्व विभाग

कार्यालय, कलेक्टर, जिला राजनांदगांव, छत्तीसगढ़ एवं पदेन उप-सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, राजस्व विभाग

राजनांदगांव, दिनांक 4 अगस्त 2004

क्रमांक 5566/भू-अर्जन/2004.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूचों के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़न की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संवंधित व्यक्तियों को. इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संवंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है:—

अनुसूची

	9	भूमि का वर्णन		धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजितक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	- के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5).	(6)
राजनांदगांव	अं. चौकी	हाथी कन्हार प. ह. नं. 20	6.985	कार्यपालन अभियंता, मोंगरा परियोजना (जल संसाधन संभाग) डोंगरगांव	मोंगरा वैराज परियोजना की बांयीं तट नहर निर्माण के लिये.

भूमि का नक्शा (प्लान) का निरोक्षण भू-अर्जन अधिकारी के कार्यालय मोहला में किया जा सकता है.

राजनांदगांव, दिनांक ४ अगस्त २००४

क्रमांक 5567/भू-अर्जन/2004.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भृमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपजन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभा संबंधित व्यक्तियां को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है:—

अनुसूची

		भूमि का वर्णन		धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्रा <u>धिकृत अ</u> धिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	. (5)	(6)
राजनांदगांव	चौकी	किलारगोंदी प. ह. नं. 09	0.603	कार्यपालन यंत्री, मोंगरा परियोजना (जल संसाधन संभाग) डोंगरगांव.	मोंगरा बैराज परियोजना की बायीं तट नहर निर्माण के लिये.

भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी के कार्यालय मोहला में किया जा सकता है.

क्रमांक 5568/भू-अर्जन/2004.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूचों के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूचों के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपवन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उद्घेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है:—

अनुसूची

		भूमि का वर्णन		धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम्	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
राजनांदगांव	चौकी	तेलीटोला प. ह. नं. 09	7.232 	कार्यपालन यंत्री, मोंगरा परियोजना (जल संसाधन संभाग) डोंगरगांव.	मोंगरा बैराज के बायीं तट नहर निर्माण के लिये.

भूमि का नक्शा (प्लान) का निरोक्षण भू-अर्जन अधिकारी के कार्यालय मोहला में किया जा सकता है.

राजनांदगांव, दिनांक ४ अगस्त २००४

क्रमांक 5569/भू-अर्जन/2004.— चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है. अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय को सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उद्घेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है :—

अनुसूची

<u> </u>				धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
, जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी —	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
राजनांदगांव	चौको	मालडोंगरी प. ह. नं. 07	7.807	कार्यपालन यंत्री, मोंगरा परियोजना (जल संसाधन संभाग) डोंगरगांव.	मोंगरा बैराज परियोजना की वायीं तट नहर निर्माण के लिये.

भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी के कार्यालय मोहला में किया जा सकता है.

क्रमांक 5570/भू-अर्जन/2004. — चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता एड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों का. इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है :—

अनुसृची

	,	भूमि का वर्णन		धारा ४ की उपधारा (2)	सावजनिक प्रयोजन ————————————————————————————————————
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
राजनांदगांव '	चौकी	सांगली प. ह. नं. 09	6.211	कार्यपालन यंत्री, मोंगरा. परियोजना (जल संसाधन संभाग) डोंगरगांव	मोंगरा बैराज परियोजना की बायों तट नहर निर्माण के लिये.

भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी के कार्यालय मोहला में किया जा सकता है.

राजनांदगांव, दिनांक ४ अगस्त २००४

क्रमांक 5571/भू-अर्जन/2004. —चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भृमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजिनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) को धारा 4 की उपधारा (1) के उपयन्थों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को. इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उद्घेखित अधिकारी को उक्त भृमि के मंबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है :—

अनुसूची

	9	्मि का वर्णन		धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक-प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में) (4)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी (5)	(6)
(1) राजनांदगांव	(2) चौकी ·	(3) केकतीटोला प. ह. नं. 07	13.012	कार्यपालन यंत्री, मोंगरा परियोजना (जल संसाधन संभाग) डोंगरगांव.	मोंगरा वैराज परियोजना की बायीं तट नहर निर्माण के लिये.

भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी के कार्यालय मोहला में किया जा सकता है.

क्रमांक 5572/भू-अर्जन/2004.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को. इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है:—

अनुसूची

· • • • • • • • • • • • • • • • • • • •		भूमि का वर्णन		धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
<u> जिला</u>	तहसील	् नगर⁄ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
राजनांदगांव -	ंचौकी	गुंडरदेही प. ह. नं. 09	8.283	कार्यपालन यंत्री, मोंगरा परियोजना (जल संसाधन संभाग) डोंगरगांव.	मोंगरा वैराज परियोजना को बायीं तट नहर निर्माण के लिये.

भूमि का नक्सा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी के कार्यालय मोहला में किया जा सकता है.

राजनांदगांव, दिनांक ४ अगस्त २००४

क्रमांक 5573/भू-अर्जन/2004.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजिनक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उन्नेखित अधिकारी को उक्त भृमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है :—

अनुसूची

	9	भूमि का वर्णन		धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	
(1)	(2)	(3)	(4)	प्राप्यकृत आवकारा (5)	(6)
राजनांदगांव	राजनांदगांव	मुंजालपाथरी प. ह. नं. 57	4.383	कार्यपालन यंत्री, जल संसाधन मोंगरा परि. संभाग, डोंगरगांव.	मोंगरा वायीं तट मुख्य नदर निर्माण हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी/अनुविभागीय अधिकारी, राजनांदगांव के कार्यालय में किया जा सकता है.

क्रमांक 5574/भू-अर्जन/2004.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भृमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भृमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है :—

अनुसूची

	મુ	मि का वर्णन		धारा ४ की उपधारा (2)	· सार्वजनिक प्रयोजन	
ं जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन .	
(1)	(2)	(3)	(4)	. (5)	(6)	
राजनांदगांव	राजनांदगांव	ठाकुरबांधा प. ह. नं. 57	- 4.533	कार्यपालन यंत्री, जल संसाधन मोंगरा परियोजना संभाग, डोंगरगांव.	मोगरा बार्यो तट मुख्य नहर निर्माण हेतु.	

भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी/अनुविभागीय अधिकारी, राजनांदगांव के कार्यालय में किया जा सकता है.

राजनांदगांव, दिनांक ४ अगस्त 2004

क्रमांक 5575/भू-अर्जन/2004.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) सं (4) में वर्णित भृमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है. अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपवन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है :—

अनुसूची

	đ	्मि का वर्णन		धारा ४ की उपधारा (2) सार्वजनिक प्रयोज		
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन	
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	
राजनांदगांव	राजनांदगांव	सागर प. ह. नं. 57	6.372	कार्यपालन यंत्री, जल संसाधन मोंगरा परियोजना संभाग, डोंगरगांव.	मोंगरा बायीं तट मुख्य नहर निर्माण हेतु.	

भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी/ अनुविभागीय अधिकारी, राजनांदगांव के कार्यालय में किया जा सकता है.

क्रमांक 5576/भू-अर्जन/2004.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भृमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है. अथवा आवश्यकता पड़ने को संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपवन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती हैं कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खानें (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भृमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन					. धारा ४ की उपधारा (2)	यार्वजनिक प्रयोजन
	जिला	तहसील	नगर√ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
	(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
	राजनांदगांव	राजनांदगांव	नरेटीटोला प. ह. नं. 61	5.042	कार्यपालन यंत्री, जल संसाधन मोगरा <u>परियो</u> जना संभाग, डोंगरगांव.	मोंगरा बार्यो तट मुख्य नहर निर्माण हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी/अनुविभागीय अधिकारी, राजनांदगांव के कार्यालय में किया जा सकता है.

राजनांदगांव, दिनांक ४ अगस्त 2004

क्रमांक 5577/भू-अर्जन/2004.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की मंभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपवन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संवंधित व्यक्तियों को. इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन. इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उद्येखित अधिकारी को उक्त भूमि के मंत्रंध में उक्तधारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है :—

अनुसूची

	ę	भूमि का वर्णन	•	धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
<u> </u>	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	· (2)	(3)	(4)	(5)	(6)
राजनांदगांव	राजनांदगांव	गोटाटोला प. इ. नं. 62/86	5.695	कार्यपालन यंत्री, मोंगरा परियोजना जल संसाधन संभाग, डोंगरगांव.	मोंगरा वैराज परियोजना की वायीं तट नहर निर्माण के लिये.

भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू–अर्जन अधिकारी के कार्यालय राजनांदगांव में किया जा सकता है.

क्रमांक 5578/भू-अर्जन/2004.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होतां है कि इससे संलग्ने अनुसूची के खाने (1) में (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की मंभावना है, अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) की धास 4 की उपधास (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को. इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के गंवंध में उक्त धास 4 की उपधास (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकत करता है:—

अनुसूची

	ર્મા	मे का वर्णन		धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील ,	नगर⁄ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
राजनांदगांव	राजनांदगांव . प	कुल्हाडी . ह. नं. 62/86	0.522	कार्यपालन यंत्री, मोगरा परियोजना जल संसाधन संभाग, डोंगरगांव.	मोंगरा वैराज परियोजना की बायों तट नहर निर्माण के लिये.

भूमि का नक्सा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी के कार्यालय राजनांदगांव में किया जा सकता है.

राजनांदगांव, दिनांक ४ अगस्त 2004

क्रमांक 5579/भू-अर्जन/2004: — चृंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसृची के खाने, (1) से (4) में विणंत भृमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है, अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपयन्थों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को. इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उन्नेखित अधिकारी को उक्त भृमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है:—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारो	का वर्णम
(1)	(2)	(3)	(4).	(5)	(6)
राजनांदगांव	राजनांदगांव प.	चारभांठा ह. नं. 62/86	8.262	कार्यपालन यंत्री, मोंगरा परियोजना जल संसाधन संभाग, डोंगरगांव.	मोंगरा वैराज परियोजना को बांयों तट नहर निर्माण के लिये.

भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी के कार्यालय राजनांदगांव में किया जा सकता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुभार, जी. एस. मिश्रा, क्लेक्टर एवं पटेन उप सचिव.

कार्यालय, कलेक्टर जिला जांजगीर-चांपा, छत्तीसगढ़ एवं पदेन उप-सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, राजस्व विभाग

जांजगीर चांपा, दिनांक 17 अगस्त 2004

क्रमांक क/भू अर्जन/246. — चृंकि राज्य शायन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुमुची के खाने (1) में (4) में विणत भीम का अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये मार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की मंभावना है. अतः भ अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक यन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार अभक्ष सारा सभी संविधित व्यक्तियों को, इस आशय की सचना दी जाती है कि राज्य शायन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उद्यक्ति अधिकार की उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शायन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपवंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसृची

•		भृषि का वर्णन		- धारा ४ को उपभारा (2)	सार्वजनिक प्रयाजन
ডি লা .	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	मालखरीदा	क्रस्टा	0.145	कायपालन यंत्री, मिनीमाता बांगा नहर संभाग, क. ४, डभर.	कृरदा सय डिवाय

्राम् कः नव्य (५)।४ : भ्र. भूजंन भश्चिकारी एर्प्यांच परियोजना सक्ती क कार्यालय में देखा जा सकता ह

जॉ जगार चीपा, दिनांक 17 अगस्त 2004

क्रमांक-क/भू- अर्जन/247 — चृंकि राज्य शासन का यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुमृची के खाने (1) में (4) में विणित भीम का अनुमृची के खाने (6) में उसके मामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अध्या आवश्यकता पड़ने की मंभावना है, अत: न अर्जन अधिनयम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) मंशोधित भू-अर्जन अधिनयम, 1984 को धाग 4 की उपधाग (1) के उपयन्धों के अनुमार उपविचान सभा मंबीधित व्यक्तियों को, इस आश्य की मुचना दी जाती है कि राज्य शायन, इसके द्वारा, इस अनुमुची के खाने (5) में उद्योग्वत अधिनगण का उक्त भीम के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधाग (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है, राज्य शायन यह का निष्य देश है कि उन्न अधिनयम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भीम के संबंध में लाग नहीं होंगे, वर्योक्त उपको राय में उक्त अधिनयम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भीम के संबंध में लाग नहीं होंगे, वर्योक्त उपको राय में उक्त अधिनयम की धारा 17 की उपधार (1) के उपबंध उसके संबंध में लाग होते हैं :—

अन्मची

	95	्मि का वर्णन		धास ४ की अपधारा (2)	मार्वजन्क पयावन
হিলা	तःसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारंग	का वणन
()	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
आंजगीर चांपा	मालखरोदा	छोटे खेली	0.237	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता हमदेव बांगी नहर संभाग, क्र. ४, ३५म	छोटे स्वेत्य माइन्स

भीम का नक्शा (प्लानु) भ अजेन अधिकारी, इसदेव परियोजना मक्ती जोत्योरि के कायालय में देखा जा सकता ें.

क्रमांक-क/भू-अर्जन/248.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है, अत: भु अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपधन्धों के अनुसार उसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, उस अनुसूची के खाने (5) में उद्योधित अधिकार को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है, राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

		भूमि का वर्णन		धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जিলা	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल ' (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
ं जांजगीर-चांपा	मालखरौदा	छोटे सीपत प.ह.नं. 5	0.768	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता यांगो नहर संभाग, क्र. 4, डभरा.	कृरदा वितरक

भृमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना सक्ती/जांजगीर के कार्यातय में देखा जा सफता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 17 अगस्त 2004

क्रमांक-क/भू-अर्जन/249.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में बांगंन भूम की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अधवा आवश्यकता एइने की संभावना है, अनः भ अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपयन्थों के अनुमार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उद्धांखन अधिकार को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है, राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

	3	पूमि का वर्णन		धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नग्रग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	क द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	मालखरीदा	बड़े ख़ेली	0.060	कायंपालन यंत्री, मिनीमाता ग्रांगो नहर	छोटे रबेली सब माइनर
		प. ह. नं. 14		संभाग, क्र. ४, इभरा.	

क्रमांक-क/भू-अर्जन/250.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अश्रवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू- अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपवन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आश्रय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इम अनुसूची के खाने (5) में उद्धेग्वित अधिकारों को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागृ नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 5 (व) के उपवंध, उक्त भूमि के संबंध में लागृ नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपवंध उसके संबंध में लागृ होते हैं :---

अनुसूची

. =,		भूमि का वर्णन		धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजितक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	कं द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	मालखराँदा	सोनादुला	0.164	कार्यपालन यंत्री, मिनोमाता हर बांगो परि. नंहर संभाग, क्र. 4	करिगांव माइनर

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना सक्ती/जांजगीर के कार्यालय में दंखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 17 अगस्त 2004

क्रमांक-क/भू-अर्जन/251.— चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि को अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है, अत: भू अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उद्घेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसृची

	9	भूमि का वर्णन		धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	. (6)
जांजगीर-चांपा	मालखरौदा	- वड़े रवेली	0.805	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता हसदेव वांगो नहर संभाग, क्र. 4, डभग,	वड़े स्वेली माइनर 2

क्रमांक-क/भू-अजन/252.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इसमें संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में विणित भूमि का अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है, अतः भ अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भ्-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उद्घेग्वित अधिकार को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्वण देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपवंध से लागू होते हैं :—

अनुसूची

	મૃ	मि का वर्णन		धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	. (4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	मालखराँदा	'पोता	0.483	कार्यपालन यंत्री, मिनोमाता हसदेव बांगी परियोजना नहर संभाग क्र. 4.	पोता उप वितरक सारसद्येल माइनर.
			•	<i>देश</i> ंध	

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना मक्तीजांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर चांपा दिनांक 17 अगस्त 2004

क्रमांक-क/भू-अर्जन/253.—चूंिक राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में विणित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजिनक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पहने की संभावना है. अतः भ अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपवन्धा के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शामन, इसके द्वारा, इस अनुमची के खाने (5) में उद्धेण्यत अधिकारण को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करना है. याच्य शामन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपवंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपवंध में लागू होते हैं :--

अनुसची

	મૃ	मिका वणन		धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजीनक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन ,
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(0)
जांजगीर-चांपा	भालखरीदा	पोता	0.218	कार्यपालन यंत्री मिनामाता इसदेव बांगी नहर संभाग, ऋ ४, ४५४	करदा वितरक नहर

क्रमांक-क/भू-अर्जन/254.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू- अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 को उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (3) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

	9.	ूमि का वर्णन		भारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हैक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारो	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	मालखरौदा	औरदा	0.060	कार्यपालन यंत्री. मिनीमाता हसदेव बांगो नहर संभाग, क्र. 4, डभरा.	भागोडिह माइनर.

भूमि का नक्शा (प्लान) भु-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना सक्ती/श्जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 17 अगस्त 2004

क्रमांक-क/भू-अर्जन/255.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपवन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता हैं कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

	-		।नुसूचा		
		मि का वर्णन		धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर∕ग्राम	्लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजग़ीर-चांपा	मालखरौदा	छोटे खेली	0.052	कार्यपालन यंत्री, मिनोमाता बांगो नहर मंभाग, क्र. 4, डभरा.	बड़े खेली माइनर-2

क्रमांक-क/भू-अर्जन/256. — चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि को अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपवन्धों के अनुसार उसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उद्धाण्यत आधिन्यम को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्र्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्र्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्र्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपवंध से लागू होते हैं :—

अनुसूची

	भू र्ग	मे का वर्णन		भारा ४ की उपधारा (2)	सावंजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील -	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	्रके द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
ं जांजगीर-चांपा	मालखरौदा	. सकरीं	0.092	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता हसदेव परि. संभाग, ऋ. ४, डभरा.	नहर कटारी ब्रांच माइतर ।

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना सक्ती/जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 17 अगस्त 2004 ·

क्रमांक-क/भू-अर्जन/257.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वाणंत भूमि को अनुसूची के खाने (6) में इसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भ् अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपयन्धों के अनुसाग इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उद्घायत अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे. क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

		भूमि का वर्णन	·	धारा ४ को उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
. जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	.(6)
जांजगीर-चांपा	मालखरौदा	सकरीं	0.068	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता हसदेव बांगो नहर संभाग, क्र. 4.	कटारी त्रांच माडनर 5

क्रमांक-क/भू-अर्जन/258.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) में (4) में वर्णित भूमि को अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता हैं, अथवा आवश्यकता पड़ने को मंभावना हैं, अत: भू अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की घारा 4 को उपधारा (1) के उपयन्धों के अनुमार उसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती हैं कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उन्हें जित आधिकारों को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है, राज्य शासन यह भी नितंध देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, विश्वीकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपवंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, विश्वीकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपवंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, विश्वीकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपवंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, विश्वीकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपवंध उसके संवंध में लागू होते हैं :—

अनुसृची

·		भूमि का वर्णन		धारा ४ की उपधारा (2)	सावंजीनक प्रयोजन
<u> जिला</u>	तहसील	नगर∕ग्राम ∙	लगभग क्षेत्रफल	के द्वारा	का वणन
			(हेक्टेयर में)	ग्राधिकृत अधिकारी	
(1)	. (2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	मालखराँदा	कुरदा •	0.237	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता वांगो नहर	छपोरा माइनर
		प. ह. नं. 13		संभाग, क्र. 4, डभरा.	

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना सक्ती/जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 17 अगस्त 2004

क्रमांक-क/भू-अर्जन/259.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) में (4) में विणंत भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता हैं, अथवा आवश्यकता पड़न की मंभावना हैं, अत: भू अजन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधाग (1) के उपयन्धों के अनुयार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उद्धिगृत अधिकार्य को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. गन्य शायन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम को धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी गय में उक्त ऑधिनयम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी गय में उक्त ऑधिनयम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी गय में उक्त ऑधिनयम की धारा 5 (अ) के उपवंध होते हैं :—

अनुसृची

			र्मि का वर्णन		धारा ४ की उपधारा (2)	सावंजनिक प्रयोजन
	जिला	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
	(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
3	तांजगीर –चां पा	भालखरौदा	बड़े रवेली प. ह. नं. 14	0.129	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता त्रांगो नहर संभाग, ऋ. ४, डभरा.	बहे खेली महार ।

क्रमांक-क/भू-अर्जन/88/अ-82/03-04. — चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) सं (4) में विर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आंवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावता है, अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपवन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

•		अनुसूची					
	9	रूमि का वर्णन		धारा 4 की उपधारा (2)	 सार्वजनिक प्रयोजन । 		
় जिला	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	. (6)		
जांजगीर-चांपा	जैजैपुर	परसाडीह	0.716	. कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता वांगो	नहर : परसाडोह सब माइनर (पृरक)		
		प. ह. नं. 16	-	संभाग, क्र. 3, सक्ती.	•		

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना सक्ती/जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 21 अगस्त 2004

क्रमांक-क/भू-अर्जन/659/अ-82/02-03. — चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) सं (4) मं वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता एड़न की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा; इस अनुसूची के खाने (5) में उन्हर्शिवत अधिकारों को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

,	t
21777	Ŧ
ञासप	ı
-⊃ ¢.	

		भूमि का वर्णन		धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन	
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन	
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6) -	
जांजगीर-चांपा	जैजैपुर	छिर्राडीह प. ह ₋ नं. 18	0.036	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, क्र. 3, सक्ती.	छिरांडोह माइनर (पृरक)	

क्रमांक-क/भू-अर्जन/661/अ-82/02-03.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि को अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपवन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन. इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उद्येखित अधिकारों को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपवंध उसके संबंध में लागू होते हैं:—

अनुसूची

		भूमि का वर्णन		धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	जैजैपुर	तुषार प. ह. नं. 13	0.210	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बागो नहर संभाग, क्र. 3, सक्ती.	गलगलाडीह माइनर

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना सक्ती/जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 21 अगस्त-2004- -- - -

क्रमांक-क/भू-अर्जन/677/अ-82/02-03. — चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि को अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपवन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसृची के खाने (5) में उक्षेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम को धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं:—

अनुसूची

		भूमि का वर्णन		धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
<u> </u>	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	. का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जॉजगीर-चांपा	जैजैपुर	[^] बोड़स्रा प. ह. नं. 13	0.104	कार्यपालन यंत्री, मिनोमाता बांगो नहर संभाग, क्र. 3, सक्ती.	माइनर 1-L.

क्रमांक-क/भू-अर्जनं/688/अ-82/02-03. — चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुमुची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजितक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपवन्धों के अनुमार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकार को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

		भूमि का वर्णन		धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक, प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल	- कं द्वारा	का वर्णन
		•	(हेक्टेयर में)	प्राधिकृत अधिकारी	
(1)	(2)	(3) -	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	जैजेपुर	तुषार य. ह. नं. 13	0.189	कार्यपालन यंत्री, भिनीमाता वांगो नहर संभाग, क्र. 3, सक्ती.	गाडामोर माइनर (पृरक)

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना सक्ती/जांजगीर के कार्यातय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 21 अगस्त 2004

क्रमांक-क/भू-अर्जन/693/अ-82/02-03. —चृंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) सं (4) मं वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजिनक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुमार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारों को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम को धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

. <u></u> -: जिला	 तहसोल	भृमि का वर्णन नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	. धारा ४ की उपधारा (2) के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	यार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	जैजैंपुर	ओंडेकेरा प. ह. नं. 18	0.518	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, ऋ. ३.	हरेठीकला माइनर १

क्रमांक-क/भू-अर्जन/694/अ-82/02-03.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) में (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजिनक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की मंभावती है, अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) मंशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपवन्धों के अनुमार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुमूची के खाने (5) में उद्घेश्वित अधिकारों को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है, राज्य शासन यह भी निदंश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंग, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंग, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंग, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपवंध होते हैं :—

अनुसूची

	9	भूमि का वर्णन		धारा ४ की उपधारा (2)	मार्वजनिक प्रयोजन
- जिला	तहसील	नगर/ग्राम ़	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	जैजैपुर	ओडेकेस प. ह. नं. 18	0.442	कार्यपालन-यंत्री; मिनीमाता यांगो नह संभाग, क्र. 3, सक्ती.	र हरेठीकला ब्रांच माइनर-2 R

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना सक्ती/जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 21 अगस्त 2004

क्रमांक-क/भू-अर्जन/695/अ-82/02-03.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है. अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुमार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उद्योग्वत अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागृ नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

ॱ अनुसूची

		भूमि का वर्णन		धारा 4 की उपधारा (2)	 सार्वजनिक प्रयोजन
जিলা	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफ़ल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	. (3)	(4)	(5).	(6)
जांजगीर-चांपा	जैजैपुर	देवरघटा प. ह. नं. 22	0.248	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बोगो नहर संभाग, ऋ. ३, सक्ती.	बरेकेल माइनर पृरक

क्रमांक-क/भू-अर्जन/696/अ-82/02-03. — चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) सं (4) में विर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुमार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दो जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उद्धेखित अधिकाग को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17

अनुसूची

		भृमि का वर्णन		धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
. (1)	(2)	(3)	(4)	. (5)	(6)
जांजगीर-चांपा	जैजेपुर	. ओडेकेरा प. ह. नं. 18	0.503	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, क्र. 3, सक्ती.	हरेठीकता माइनर-1 R

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना सक्ती/जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 21 अगस्त 2004

क्रमांक-क/भू-अर्जन/699/अ-82/02-03.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 को उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

		भूमि का वर्णन -		धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	् (5)	(6)
जांजगीर-चांपा	जैजैपुर	जुनवानी प. ह. नं. 17	0.044	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता वांगो नहर संभाग, क्र. 3, सक्ती.	हरेठीकला ब्रांच माइनर नं. 2 R (पूरक).

क्रमांक-क/भू-अर्जन/701/अ-82/02-03.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजितक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवो आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उछिखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपवंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

	,	भूमि का वर्णन		धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	. (5)	(6)
जांजगीर-चांपा	जैजैपुर	बरदुंली प. ह. नं. 19	0.296	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता वांगो नहर संभाग, क्र. 3, सक्ती.	बरदुली माइनर नं1

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना सक्ती/जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक. 21 अगस्त 2004

क्रमांक-क/भू-अर्जन/703/अ-82/02-03.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजिनक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (3) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

D	4	भूमि का वर्णन		धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन • ·
(1)	. (2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	ज़॓ऀज़ऺऀपुर	देवरघटा प. ह. नं. 22	. 0.024	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता वांगो नहर संभाग, क्र. 3, सक्ती.	बरदुली माइनर 2 (पूरक)

क्रमांक-क/भू-अर्जन/704/अ-82/02-03. — चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुमुची के खाने (1) ये (4) में विर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 को उपधारा (1) के उपयन्धों के अनुमार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सृचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुमुची के खाने (5) में उन्ने व्यक्तियों को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त आधिनयम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त आधिनयम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

•		रूमि का वर्णन		भारा ४ की उपधारा (:	2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	'तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हंक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी		का वर्णन
. (1)	(2)	(3)	(4)	(5)		(6)
जांजगीर-चांपा	जैजैपुर .	बोइरडीह प. ह. नं. 20	0 .192	कायंपालन यंत्री, मिनीमाता संभाग, क्र. 3. सक्ती.	वांगो नहर	योडरडीह स्नांच माइतर 2 . (पुरक).

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना सक्ती/जांजगीर के कार्यालय में दंखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 21 अगस्त 2004

क्रमांक-क/भू-अर्जन/705/अ-82/02-03. — चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) में (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 को धारा 4 को उपधाग (1) के उपयन्धों के अनुयाग इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उद्येग्वत अधिकाग को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपवंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपवंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची :

		भूमि का वर्णन		धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला ं	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	जंजेपुर	बरेकेल खुर्द प. ह. नं. 22	0.240	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता वांगो नहर संभाग, ऋ: 3, सक्ती.	वरंकल माइनर (पुरक)

क्रमांक-क/भू-अर्जन/710/अ-82/02-03.—चृंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुमुची के खाने (1) में (1) में (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्श्रजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने को संभागना है, अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधाग (1) के उपवान्धों के अनुगर इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उन्हेंखित अधिन एक को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है, गुग्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त आधानयम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त आधानयम की धारा 12 की उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसृची

		भूमि का वर्णन		धारा ४ को उपधारा (2)	सार्वजनिक पर्याजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल	के द्वारा	का वणन
		•	(हेक्टेयर में)	ं प्राधिकृत अधिकारी	
(1)	(2)	(3)	(4 <u>)</u>	, (5)	(6)
जांजगीर-चांपा	जैजेंपुर	वेला <u>द</u> ुला	0.890	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता वांगो नहर	कंचदा उप वितरक नहर निर्माण
	-	प. ह. नं. 12		संभाग, क्र. 3, सक्ती.	हेतु (पृत्कः),

भूमि का नक्सा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना सक्ती/जॉजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 21 अगस्त 2004

क्रमांक-क/भू-अर्जन/712/अ-82/02-03. — चृंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) में (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अश्रवा आवश्यकता पड़ने का संभावना है, अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू अर्जन अधिनियम, 1984 को धारा 4 को उपधारा (1) के उपवन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आश्रय को सूचना दो जातो है कि राज्य शायन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उद्धेखिन अधिकारों को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है, राज्य शायन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसको गय में उक्त ऑधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसको गय में उक्त ऑधिनियम की धारा 7

अनुसृची

	<u> </u>	भूमि का वर्णन		धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	- के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	. (2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	जैजैपुर	हरदी़डीह प. ह. नं. 20	0.092	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता वांगी नहर संभाग, क्र. 3, सक्ती.	यांच माटनर 2 i . 1 R क बंदा.

क्रमांक-क/भू-अर्जन/714/अ-82/02-03. — चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में विर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उद्धीखत अधिकारों को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लाग नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लाग नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लाग नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लाग नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपवंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसृची

		भूमि का वर्णन		धारा ४ को उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	. नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी =	. का वर्णन
(1).	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	जांजगीर	बेलादुला	0.067	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगा नहर	कचंदा वितरक नहर ४ ।
		प. ह. नं. 12	•	संभाग, ऋ, ३, सक्ती.	माइनर (प्रक्र).

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना सक्ती/जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार. बी. एल. तिवारी, कलक्टर एवं पदंन उप साम्बर.

कार्यालय, कलेक्टर, जिला रायगढ़, छत्तीसगढ़ एवं पदेन विशेष सचिव, छत्तीसगढ़ शासन. राजस्व विभाग

रायगढ़, दिनांक 18 अगस्त 2003

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 23/अ-82/2003-04. —चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसृची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है, अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1984) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 को उपधारा (1) के उपवस्थों के अनुमार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती हैं, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उद्धिखत अधिकारों को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का, प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है, राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम को धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम को धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम को धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम को धारा 17 की उपधारा (1) के उपवंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

	9	भूमि का वर्णन		धारा ४ को उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	. (2)	(3)	(4)	. (5)	(6)
रायगढ़	खरसिया	कुनकुनी	1.003	कार्यपालन यंत्री, मिनोमाता बांगो नहर संभाग, खरसिया.	टर्न की पहिति से खरिसयां शाखा नहर के वितरण एवं लघु नहर हत्.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), खरसिया के कार्यालय में देखा जा सकता है.

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 24/अ-82/2003-04 — चृंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि उससे संलग्न अनुमृची के खाने (1) य (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजितक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने को संभावना है, अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1984) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपवन्धों के अनुमार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सृचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुमूची के खाने (5) में उद्धिखित अधिकार को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है, राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपवंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपवंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपवंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

	9	र्मि का वर्णन		धारा ४ की उपधारा (2)	मार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
रायगढ्	खरसिया	फुलबंधिया	0.084	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता यांगा नहर संभाग, खरसिया,	टनं को पद्धति से खरिसया शाखा नहर के वितरण एवं लध् नहर हेतृ.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), खरिमया के कार्यालय में देखा जा सकता है.

रायगढ़, दिनांक 18 अगस्त 2004

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 25/अ-82/2003-04. — चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुमुन्नों के खाने (1) में (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की मंभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1984) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपवन्नों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उन्नेष्टित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करना है, राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उपकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उपकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

	9	्मि का वर्णन		धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला .	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	. (6)
सयगढ्	खरसिया	फुलबंधिया •	· 0.053 _.	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता वांगा नहर संभाग, खरसिया.	टर्न की पद्धति से खरीसया शाखा नहर के वितरण एवं लघु नहर हेत्.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), खरसिया के कार्यालय में देखा जा मकता है.

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 26/अ-82/2003-04. — चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुभूनों के खाने (1) में (1) में विर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है; अथवा आवश्यकता पड़ने को संभायन हैं. अतः भू-अर्जन अधिनयम, 1894 (क्रमांक सन् 1984) संशोधित भू-अर्जन अधिनयम, 1984 को धारा 4 को उपधारा (1) के उपवन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती हैं, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उद्धीखन अधिकार को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 को उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी ग्रय में उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी ग्रय में उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी ग्रय में उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी ग्रय में उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपवंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

		भूमि का वर्णन		धारा ४ की उपधारा (2)	यार्वजनिक प्रयोजन
जिलां .	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन् 📜 .
(1)	(2)	(3)	. (4)	(5)	(6)
रायगढ़	खरसिया	- करूमोहा	0.133	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता वांगी नहर संभाग, खरसिया.	टर्न की पर्तात से खर्मिया भाग्या नहर के वितरण एवं त्ववृ नहर हेत्.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), खरिसया के कार्यालय में देखा जा सकता है.

रायगढ़, दिनांक 18 अगस्त 2004

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 27/अ-82/2003-04.— चृंकि राज्य शासन की यह प्रतीन होता है कि इसमें संलग्न अनुसूची के खाने (1) में (1) में (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता गढ़न की संभावता है, अतः भू-अर्जन अधिनयम, 1894 (क्रमांक सन् 1984) संशोधित भू अर्जन अधिनयम, 1984 की धारा 4 की उपधार (1) के उपवन्तों के अनुमार सभी संयोधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जातो है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उद्योखन अधिकारों को उक्त भूमि के संयोध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्रधिकृत करता है, राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपयंध, उक्त भूमि के संयंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उन्हें अधिनयम की धारा 5 (अ) के उपयंध, उक्त भूमि के संयंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उन्हें अधिनयम की धारा 5 (अ) के उपयंध, उक्त भूमि के संयंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उन्हें अधिनयम की धारा 5 (अ) के उपयंध, उक्त भूमि के संयंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उन्हें अधिनयम की धारा 5 (अ) के उपयंध, उक्त भूमि के संयंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उन्हें अधिनयम की धारा 5 (अ) के उपयंध, उक्त भूमि के संयंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उन्हें अधिनयम की धारा 5 (अ) के उपयंध, उक्त भूमि के संयंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उन्हें अधिकार की धारा 5 (अ) के उपयंध, उक्त भूमि के संयंध में लागू नहीं होंगे.

अनुसूची

	•	भूमि का वर्णन	•	धारा ४ को उपधारा (2)	याधर्जानक प्रयोजन
जिता	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	क्षा यणम
(1)	(2)	(3)	(4)	. (.5)	(,6)
सयगढ़	खरसिया	भेलवाडीह	0.166	कारांपालन यंत्री, मिनीमाता यांगी नहर संभाग, खरींमया.	रन का प्रति संख्यांगया भागा नहर के विनरण ॥धं तन् नहर हेत्.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजयव), खुरिसया के कार्यातय में देखा जा संकता है.

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 28/अ-82/2003-04. — चृंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) में (4) में विर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1984) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धाग 4 की उपधारा (1) के उपयन्थों के अनुमार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जातो हैं, राज्य शासन, उसके द्वारा, अनुसूचों के खाने (5) में उद्यक्ति आंधकार्य को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है, गुन्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लाग नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम को धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लाग नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम को धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

		भूमि का वर्णन		धारा ४ को उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	े के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
रायगढ्	खरसिया	, भेलवाडीह	0.10 9	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता वांगो नहर संभाग, खरसियां.	टर्न को पद्धति से खरसिया शाखा नहर के वितरण एवं तक्षु नहर हेतृ.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), खरसिया के कार्यालय में देखा जा सकता है.

रायगढ़, दिनांक 18 अगस्त 2004 ...

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 29/अ-82/2003-04.—चृंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुमूची के खाने (1) में (1) में (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता हैं. अथवा आवश्यकता पड़ने को संभावना हैं. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1984) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 को उपधारा (1) के उपयन्धों के अनुमाग सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती हैं, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उन्हेंखित अधिकांग को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लाग नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लाग नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लाग नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपवंध उसके संबंध में लाग होते हैं :—

अनुसूची

	. 93	मि का वर्णन		धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
<u>জিলা</u>	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारों	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
रायगढ्	खरसिया	मदनपुर	0.141	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता वांगो ः नहर मंभाग, खरसिया,	टर्न की पद्धति से खरसिया शाखा नहर के वितरण एवं लघु नहर हेत्

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), खरसिया के कार्यालय में टेग्वा जा सकता है.

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 30/अ-82/2003-04. — चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे अंलग्न अनुमृची के खाने (1) में (1) में विर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1984) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधास (1) के उपयन्धों के अनुमार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उद्धेखित अधिकार्य को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है, राज्य शासन यह भी निदंश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी गय में उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपवंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी गय में उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपवंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी गय में उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपवंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा ४ को उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	की वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
् रायगढ्	खरसिया	भागोडीह \	0.336	कार्यपालन यंत्रो, मिनीमाता यांगो नहर संभाग, खरसिया.	टनं की पर्सात से खरसिया '' शाखा नहर के वितरण एवं लघु नहर हेतु.

भूमि का नक्सा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), खरसिया के कार्यालय में देखा जा सकता है.

रायगढ़, दिनांक 18 अगस्त 2004

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 31/अ-82/2003-04. — चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुमृची के खाने (1) में (4) में विर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथया आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1984) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपवन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूचों के खाने (5) में उद्घेश्यत अधिकारों को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्रधिकृत करता है, राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपवंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपवंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपवंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

	9	मूमि का वर्णन		भारा-4-को—उपभारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
रायगढ़	खरसिया	रजघटा	0.091	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता वांगो नहर संभाग, खरसिया.	टनं को पद्धति से खर्गसया शाखा नहर के वितरण एवं लघु नहर हेत्.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), खरसिया के कार्यालय में देखा जा सकता है.

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 32/अ-82/2003-04. — चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) में (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है. अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1984) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपवन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है. राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उद्यक्तिया अधिकारों को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपवंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे. क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपवंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे. क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपवंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे. क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपवंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे. क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपवंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे. क्योंकि उसकी राय में उक्त आधिनियम की धारा 5 (अ) के उपवंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे. क्योंकि उसकी राय में उक्त आधिनियम की धारा 5 (अ) के उपवंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसृची

भूमि का वर्णन				धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	·(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
रायगढ़	खरसिया	टुसेकेला	0.480	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता वांगा नहर संभाग, खरसिया.	टर्न की पद्धति से खरसिया शाखा नहर के वितरण एवं लघु नहर हेत्.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), खरसिया के कार्यालय में देखा जा सकता है.

रायगढ़, दिनांक 18 अगस्त 2004

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 33/अ-82/2003-04. — चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संत्यन अनुसृची के खाने (1) में (4) में वर्णित भूमि की अनुसृची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के तिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पहने की संभावना है, अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1984) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की उपधारा (1) के उपचन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसृची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग-करने-के लिए प्राधिकृत करता है, राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

. भूमि का वर्णन				धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
रायगढ़	खरसिया	आमापाली	0.170	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता वांगो नहर संभाग, खरसिया.	टर्न की पद्धति से खग्सिया शाखा नहर के वितरण एवं लघु नहर हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), खरिसया के कार्यालय में देखा जा सकता है.

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 34/अ-82/2003-04. — चृंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुमूची के खाने (1) में 14) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गयं सार्वजितक प्रयोजन के लिये आवश्यकता हैं, अथवा आवश्यकता पड़ने की गंभावना हैं. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1984) संशोधित भृ-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपवन्धों के अन्यार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती हैं, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उद्योग्यन अधिकारों को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है, राज्य शासन यह भी निर्देश देतां है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी गंय में उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी गंय में उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी गंय में उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी गंय में उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी गंय में उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी गंय में उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपवंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसृची

•	9.	र्मि का वर्णन		धारा ४ को उपधारा (2)	सार्वजीनक प्रयोजन
जিলা	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारो	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6),
सयगढ़	खरसिया	सुती	0.040	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता वांगा नहर संभाग, खर्रासया.	टर्न की पहांति से खर्गमया शाखा नहर के वितरण एवं
		•		•	लघु नहर हत्.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी (सजस्व). खरसिया के कार्यालय में दंखा जा सकता है.

रायगढ़, दिनांक 18 अगस्त 2004

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 35/अ-82/2003-04. — चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुमृनी के खाने (1) में (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पहने की यंभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1984) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 को उपधाग (1) के उपयन्त्रों के अनुपार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है. राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उद्योग्वत आधिकार को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 को उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. गज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम को धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसको राय में उक्त आधिनियम को धारा 5 (अ) के उपवंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसको राय में उक्त आधिनियम को धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

•		भूमि का वर्णन		धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
· (1)	(2)	(3)	(4)	आविकृत अविकास (5)	(6)
रायगढ्	खरसिया	बसनाझर	0.341	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता वांगो नहर संभाग, खरसिया.	टनं को पृद्रति संस्वरस्यियः स्राखा नहरं के विसुरणायं
·				·	लभु नहर हेत्.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व). खरसिया के कार्यातय में दंखा जा सकता है.

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 36/अ-82/2003-04.— चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1984) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 को उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
<u>জিলা</u>	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	· (3)	(4)	(5)	(6)
रायगढ्	खरसिया	बानीपाथर	0.111	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, खरिसया.	टर्न की पद्धति से खरसिया शाखा नहर के वितरण एवं लघु नहर हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), खरसिया के कार्यालय में देखा जा सकता है.

रायगढ़, दिनांक 18 अगस्त 2004

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 37/अ-82/2003-04. — चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) सं (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1984) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारों को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

	9	र्मि का वर्णन		धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिल <u>ा</u>	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
रायगढ्	खरसिया	मदनपुर	0.214	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, खरिसया.	टर्न की पद्धति से खरसिया शाखा नहर के वितरण एवं लघु नहर हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), खरसिया के कार्यालय में देखा जा सकता है.

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 38/अ-82/2003-04. — चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजिनक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1984) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

	. 5	भूमि का वर्णन		धारा ४ को उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
रायगढ़	खर्सिया	आड़ाझर	Q. 150	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो . नहर संभाग, खरसिया.	टर्न की पद्धति से खरसिया शाखा नहर के वितरण एवं लघु नहर हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), खरसिया के कार्यालय में देखा जा सकता है.

रायगढ़, दिनांक 18 अगस्त 2004

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 39/अ-82/2003-04.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि को अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1984) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

	•	भूमि का वर्णन	,	धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नग्र∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	. (6)
रायगढ़	खरसिया	बसनाझर	0.304	कार्यपालन यंत्री, भिनीमाता बांगो नहर संभाग, खरसिया.	टर्न को पद्धित से खरिसया शाखा नहर के वितरण एवं लघु नहर हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), खरसिया के कार्यालय में देखा जा सकता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार, आर. एस. विश्वकर्मा, कलेक्टर एवं पदेन विशंष सचिव.

राजस्व विभाग

कार्यालय, कलेक्टर, जिला रायगढ़, छत्तीसगढ़ एवं पदेन उप-सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, राजस्व विभाग

रायगढ़, दिनांक 4 फरवरी 2004

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 9/अ-82/2003-04. चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1984) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:---

अनुसूची

- (1) भूमि का वर्णन-
 - (क) जिला-रायगढ़
 - (ख) तहसील-खरसिया
 - (ग) नगर/ग्राम-दिमानी
 - (घ) लगभग क्षेत्रफल-0.020 हेक्टेयर

रकवा
(हेक्टेयर में)
(2)
0.020
0.020

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-टर्न की पद्धति से खरसिया शाखा नहर के वितरण एवं लघु नहर हेतु.
- (3) भूमि का नक्शा (प्लान) अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) खरसिया के कार्यालय में देखा जा सकता है.

रायगढ़, दिनांक 4 फरवरी 2004

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 10/अ-82/2003-04.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1984) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:—

अनुसूची

- (1) भूमि का वर्णन-
 - (क) जिला-रायगढ़
 - (ख) तहसील-खरसिया
 - (ग) नगर/ग्राम-टेमटेमा
 - (घ) लगभग क्षेत्रफल-1.124 हेक्टेयर

खसरा नम्बर	रकवा
ı	ं (हेक्टेयर में)
(1)	(2)
144	. 0.089
145	0.210
148	0.049
152	0.004
153	0.126
154	0.008
156	0.117
158	0.004
159 .	. 0.117
160	0.004
202/15	0.008
202/18	0.097
217	0.004
202/24	0.117
219/1	0.170
योग : 15	1.124

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-टर्न की पद्धति सं खरिसया शाखा नहर के वितरण एवं लघु नहर हेतु.
- (3) भूमि का नक्शा (प्लान) अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) खरसिया के कार्यालय में देखा जा सकता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार, सुबोध कुमार सिंह, कलेक्टर एवं पदन उप-सचिव.

(1)

(2)

कार्यालय,	कलेक्टर,	जिला	रायपुर,	छत्तीसगढ़	एवं
पदेन संयुत्त	ह सचिव, ह	र तीसग	ढ़ शासन	, राजस्व वि	भाग

रायपुर, दिनांक 20 नवम्बर 2003

क्रमांक/भू-अर्जन/36/अ/82 वर्ष 2002-03.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1984) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:—

अनुसूची

- (1) भूमि का वर्णन-
 - (क) जिला-रायपुर
 - (ख) तहसील-बिलाईगढ़
 - (ग) नगर/ग्राम-नवापारा, प. ह. नं. 17
 - (घ) लगभग क्षेत्रफल-2.936 हेक्टेयर

खसरा नम्बर	रकवा
•	(हेक्टेयर में)
(1)	(2)
88	0.085
92/3	0.024
92/4	0.075
99/1	0.012
99/2	0.024
99/3	0.024
102	0.021
104	0.024
105/1 105/2	0.016
106	0.016
107	0.032 0.036
129	0.036
130	0.020
132/3	0.028
136/1	. 0.045
137/1	0.020
138	0.041
424/2	0.070
136/2	0.020
137/2	0.056
139/1	0.032
214/4	0.020
140/3	0.049
140/1, 2, 4	0.008
214/1	0.049
215/1	- 0.008
213/1	0.012
213/2	0.105
644/4	0.069

	(1)		(2)
	644/4		0.041
	642/3	•	0.069
2	210/3, 211/2)	0.007
7	422/6		0.032
	328/4	, .	0.060
	205/2		0.016
	197		0.016
	205/1		0.033
	641/1		0.081
2	09/2, 210/1		0.024
	209/3		0.008
	251/5		0.008
	642/5		0.008
	251/6		0.025
	643/2		0.024
	642/1	•	0.049
	210/2	•	0.041
	196/1		0.041
	196/2	•	0.041
	424/1		0.081
	464		0.152
	422/3		0.012
	463/4		0.037
	425/4		0.008
	446		0.089
	447		0.180
	448		0.041
_	439.		0.008
	644/3		0.123
	644/2		0.124
	641/2 .		0.109
	199/1		0.008
	196/6		0.037
	199/3 422/1		0.008 0.041
	328/1		0.041
	328/7		0.018
	211/1		0.028
	328/2		0.049
	422/5		0.087
	144414		0.007
योग	70		2.936
			-

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए भृमि की आवश्यकता है-खपरी-डीह शाखा नहर निर्माण कार्य हेतु.
- (3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी विलाई-गढ़ के कार्यालय में किया जा सकता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार, विवेक देवांगन, कलेक्टर एवं पदेन संयुक्त सचिव.